**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**अरवल(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 32.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 21.0 | 20.0 | 19.0 | 18.0 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 70 | 70 | 70 | 65 | 65 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 35 | 35 | 35 | 30 | 30 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 210 | 290 | 230 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-35 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 65-70 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-33 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योंकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बेडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**भागलपुर(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 31.0 | 31.0 | 31.0 | 30.0 | 30.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 20.0 | 20.0 | 19.0 | 19.0 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 80 | 80 | 80 | 75 | 75 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 40 | 40 | 40 | 35 | 35 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 110 | 270 | 140 | 290 | 250 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-80 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 30-31 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बेडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**भोजपुर(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 32.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 20.0 | 20.0 | 19.0 | 19.0 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 70 | 70 | 70 | 65 | 65 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 35 | 35 | 35 | 30 | 30 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 210 | 290 | 230 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-35 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 65-70 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बेंडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**बक्सर(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 32.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 20.0 | 20.0 | 19.0 | 19.0 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 70 | 70 | 70 | 65 | 65 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 35 | 35 | 35 | 30 | 30 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 210 | 290 | 230 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-35 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 65-70 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-33 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योंकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बेंडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**जहानाबाद(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 21.0 | 20.0 | 19.0 | 18.0 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 80 | 80 | 80 | 75 | 75 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 40 | 40 | 40 | 35 | 35 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 10 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 290 | 270 | 210 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-80 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-33 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योंकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बेंडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**कैमूर (भभुआ)(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 32.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 20.0 | 20.0 | 19.0 | 19.0 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 70 | 70 | 70 | 65 | 65 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 35 | 35 | 35 | 30 | 30 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 210 | 290 | 230 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-35 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 65-70 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बेंडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**लखीसराय(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 32.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 21.0 | 20.0 | 19.0 | 18.0 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 80 | 80 | 80 | 75 | 75 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 40 | 40 | 40 | 35 | 35 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 10 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 290 | 270 | 210 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-80 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बेंडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**मुंगेर(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 31.0 | 31.0 | 31.0 | 30.0 | 30.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 19.0 | 19.0 | 18.0 | 18.0 | 17.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 80 | 80 | 80 | 75 | 75 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 40 | 40 | 40 | 35 | 35 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 110 | 270 | 140 | 290 | 250 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-80 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 17-19 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 30-31 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योंकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बेडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**नालंदा(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 21.0 | 20.0 | 19.0 | 18.0 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 80 | 80 | 80 | 75 | 75 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 40 | 40 | 40 | 35 | 35 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 10 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 290 | 270 | 210 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 35-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-80 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-33 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बेडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**पटना(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 32.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 21.0 | 20.0 | 19.0 | 19.0 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 80 | 80 | 80 | 75 | 75 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 35 | 35 | 35 | 30 | 30 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 10 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 140 | 180 | 140 | 270 | 250 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 1 | 0 | 2 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-35 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-80 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-33 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योंकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बंडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 03-11-2023**

**रोहतास(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-03 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-11-04 | 2023-11-05 | 2023-11-06 | 2023-11-07 | 2023-11-08 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 32.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 20.0 | 20.0 | 19.0 | 19.0 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 70 | 70 | 70 | 65 | 65 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 35 | 35 | 35 | 30 | 30 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 290 | 290 | 210 | 290 | 230 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान साफ रहने की संभावना है। • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-35 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 65-70 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

जिन किसानों की हरी प्याज की पौध तैयार हैं तो रोपाई मेड़ों (उथली क्यारियों) पर करें। जिनको पौधशाला तैयार करनी है तो पौधशाला जमीन से थोड़ा ऊपर बनाये।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| सरसों | सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए। |
| फील्ड पी | तापमान को ध्यान में रखते हुए मटर की बुवाई में ओर अधिक देरी न करें अन्यथा फसल की उपज में कमी होगी तथा कीड़ों का प्रकोप अधिक हो सकता है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में -पूसा प्रगति, आर्किल। बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम @ 2.0 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दें तथा अगले दिन बुवाई करें। |
| चना | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | वर्तमान मौसम आलू की बुवाई के लिए अनुकूल है अतः किसान आवश्यकतानुसार आलू की किस्मों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति (कम अवधि वाली किस्म), कुफरी अलंकार, कुफरी चंद्रमुखी। कतारों से कतारों तथा पौध से पौध की दूरी 45 x 20 या 60 x 15 से.मी. रखें। बुवाई से पूर्व बीजों को कार्बेडिजम @ 2.0 ग्रा. प्रति लीटर घोल में प्रति कि.ग्रा. बीज पाँच मिनट भिगोकर रखें। उसके उपरांत बुवाई से पूर्व किसी छायादार जगह पर सूखने के लिए रखें। |
| लहसुन | तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जानवरों में बाहरी परजीवियों को नियंत्रित करने के लिए, उन्हें ब्यूटोकस औषधि प्रदान करें। पशुओं को भोजन के साथ नमक दें। मवेशियों में गांठ त्वचा रोग को नियंत्रित करने के लिए पशु चिकित्सकों से संपर्क रखें। |